जैन धर्म

By Gyantu.com

ईसा पूर्व छठी सदी में 62 धार्मिक सम्प्रदायों का उदय हुआ, जिसमें जैन संप्रदाय और बौद्ध धर्म सबसे महत्वपूर्ण थें।

'जैन' शब्द जिन या जैन से बना है जिसका अर्थ है 'विजेता'।

जैन धर्म सनातन संस्कृति के शास्वत ज्ञान की ही एक शाखा है, जिसका उद्देश्य मानव को समय-समय पर उत्पन्न होने वाली रूढ़िवादी विचारधारा को त्याग कर, अहिंसा और अध्यात्म के मार्ग के लिए प्रेरित करना होता है।

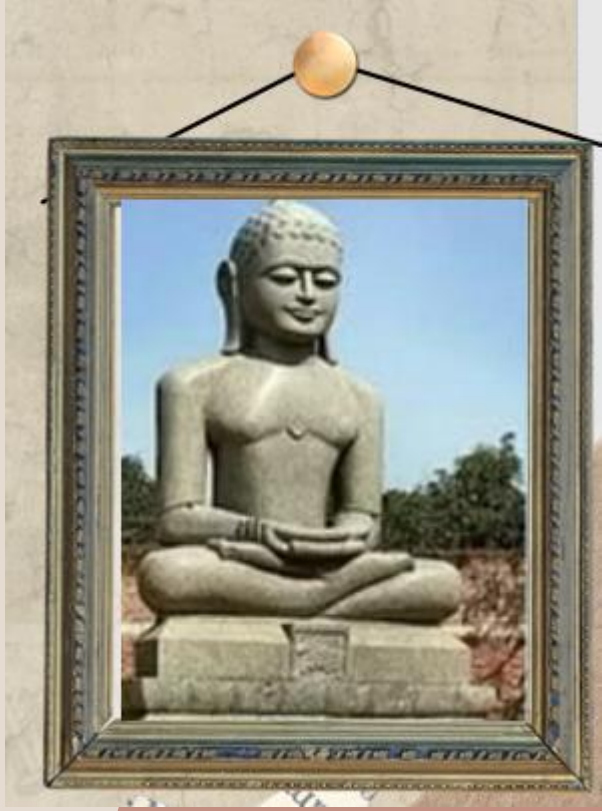

वर्धमान महावीर एवं जैन संप्रदाय

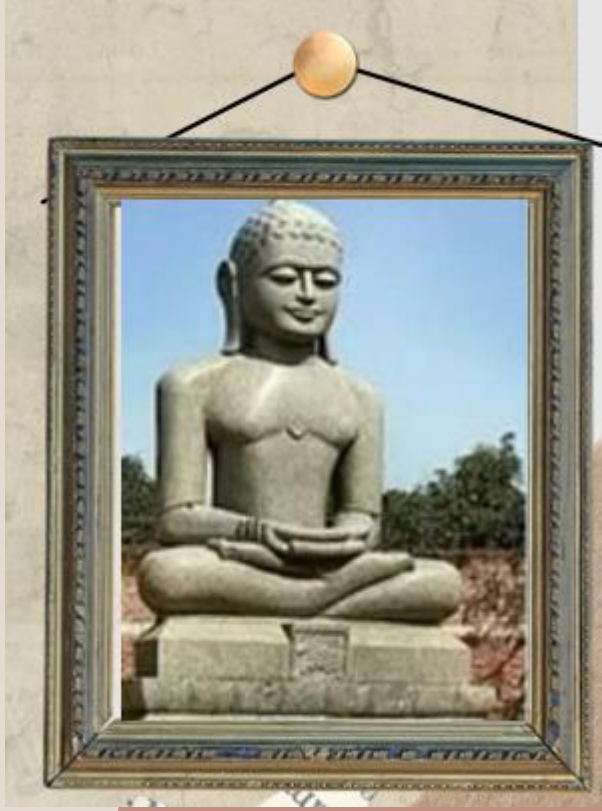

महावीर का जन्म	540 ई0 पू, कुण्डग्राम, वैशाली के पास में हुआ था।
महावीर के बचपन का नाम	वर्द्धमान था। वे ज्ञातृक क्षत्रिय वंश से संबधित थे।
पिता का नाम	सिद्धार्थ
माता का नाम	त्रिशला
पत्नी का नाम	यशोदा
पुत्री का नाम	अणोज्या या प्रियदर्शनी
गृह त्याग	30 वर्ष
ज्ञान प्राप्ती	42 वर्ष (12 वर्ष)
	जृम्भिक ग्राम के पास ऋजुपालिका नदी के तट पर साल वृक्ष के नीचे कैवल्य (ज्ञान) प्राप्त हुआ।
निधन	72 (वर्ष) की आयु में पावापुरी राजगृह में 468 ई.

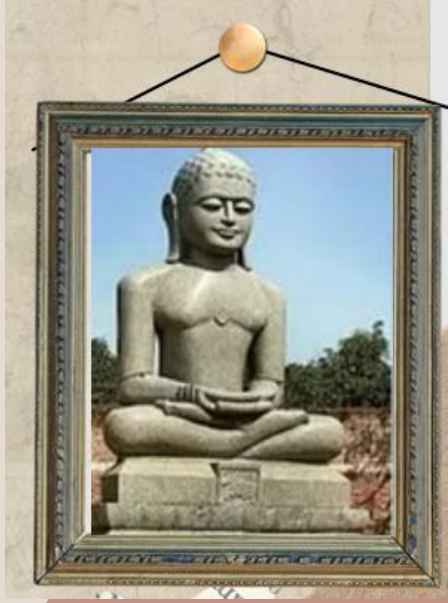

जैन धर्म के सिद्धांत

पंच महाव्रत

अहिंसा – हिंसा नहीं करना।

सत्य– झूठ न बोलना।

अस्तेय– चोरी न करना।

अपरिग्रह– संपत्ति अर्जित नहीं करना।

ब्रह्मचर्य– इन्द्रिय निग्रह करना अर्थात ब्रह्मचर्य का पालन करना।

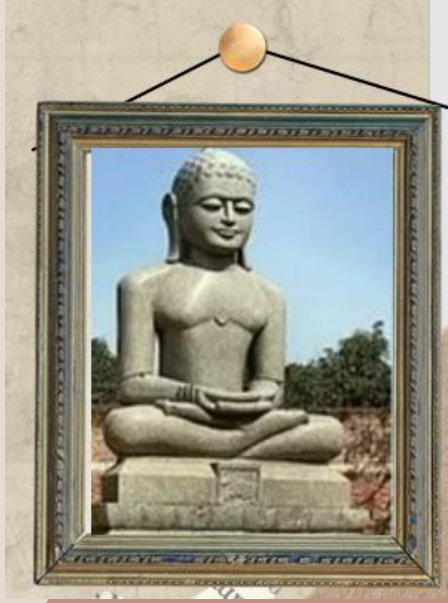

त्रिरत्न

जैन धर्म के तीन त्रिरत्न थे जिनके द्वारा मोक्ष प्राप्त किया जा सकता था :

1 सम्यक् दर्शन

2 सम्यक् ज्ञान

3 सम्यक् आचरण

जैन धर्म का प्रथम तीर्थंकर – ऋषभदेव/आदिनाथ

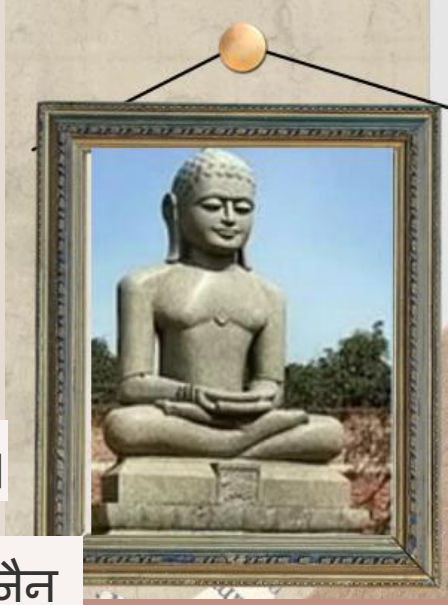

1. जैन अनुश्रुतियों और धार्मिक साहित्य के अनुसार जैनियों का प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव को माना गया है।
2. ऋषभदेव का जन्म अयोध्या में इक्ष्वाकु वंश में माना जाता है।
3. ऋषभदेव का उल्लेख – ऋग्वेद, यजुर्वेद, विष्णुपुराण एवं भगवत पुराण में भी मिलता है। ऋग्वेद में दो जैन तीर्थकरों- ऋषभदेव एवं अरिष्टनेमी का उल्लेख मिलता है।
4. इन्हें इतिहास में आदिनाथ के नाम से जाना जाता है राजस्थान में केसरियानाथ भी कहते हैं।
5. जैन ग्रन्थों में इन्हें 'मानव सभ्यता का जनक' कहा जाता है। भागवत पुराण में 'नारायण का अवतार' कहा जाता है।
6. इन्हें निर्वाण कैलाश पर्वत पर प्राप्त हुआ।
7. ऋषभदेव के 100 पुत्रों में से दो प्रसिद्ध हुए – भरत और बाहुबलि।
8. भरत चक्रवर्ती शासक और बाहुबलि तपस्वी के रूप में प्रसिद्ध हुए।
9. बाहुबलि (गोमतेश्वर) की मूर्ति कर्नाटक के श्रवणबेलगोला में है। यह भारत की सबसे ऊँची मूर्ति है।

महावीर ने अपने जीवन काल में ही एक संघ की स्थापना की जिसमें 11 प्रमुख अनुयायी सम्मिलित थे। ये 'गणधर' कहलाए।

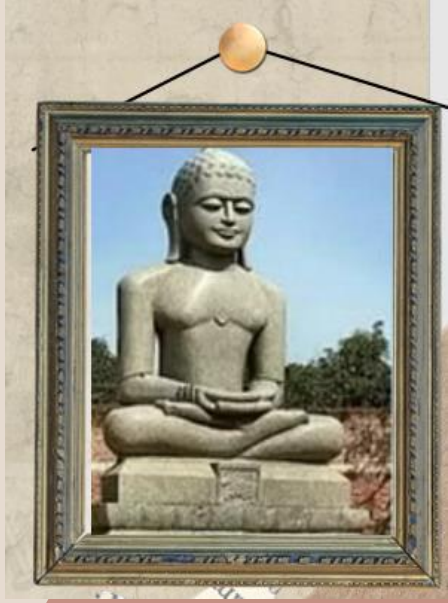

प्रमुख जैन तीर्थंकर एवं उनके प्रतीक

ऋषभदेव : वृषभ (सांड)

अजितनाथ : हाथी

सम्भवनाथ : घोड़ा

नेमिनाथ : नील कमल

मुनि सुव्रत : कच्छप

मल्लिनाथ : कलश

पार्श्वनाथ : सर्प

महावीर : सिंह

अरिष्टनेमी : शंख

जैन धर्म का विभाजन

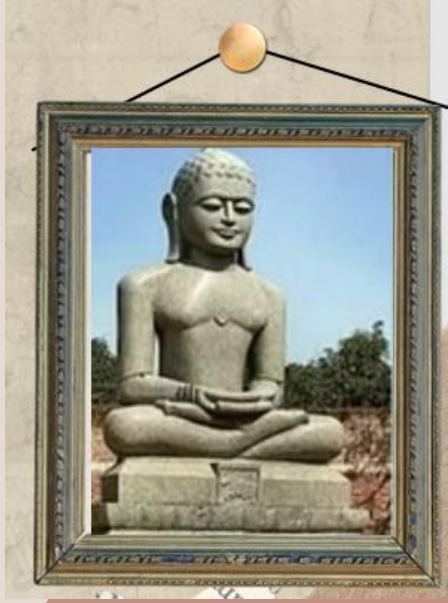

प्रथम जैन संगीति

1. श्वेताम्बर	1. श्वेत (सफेद) वस्त्र धारण करने वालें 2. नियम सरल है। 3. श्वेताम्बर के भी दो संप्रदाय है। 1. मूर्तिपूजक 2. स्थानकवासी 4. स्त्री-मुक्ति का समर्थन करते हैं।
2. दिगम्बर	1. कोई भी वस्त्र धारण नही करते। 2. नियम थोडा कठिन है। 3. स्त्री-मुक्ति का समर्थन नही करते हैं। 4. दिगम्बर संघ के चार भाग- 1. नंदीसंघ 2. सेनसंघ 3. सिंहसंघ 4. देवसंघ

जैन वास्तुकला

लाना/गुम्फा (गुफाएँ)

1) एलोरा गुफाएँ (गुफा संख्या 30-35)- महाराष्ट्र
2) मांगी तुंगी गुफा- महाराष्ट्र
3) गजपंथ गुफा- महाराष्ट्र
4) उदयगिरि-खंडगिरि गुफाएँ- ओडिशा
5) हाथी-गुम्फा गुफा- ओडिशा
6) सित्तनवसल गुफा- तमिलनाडु

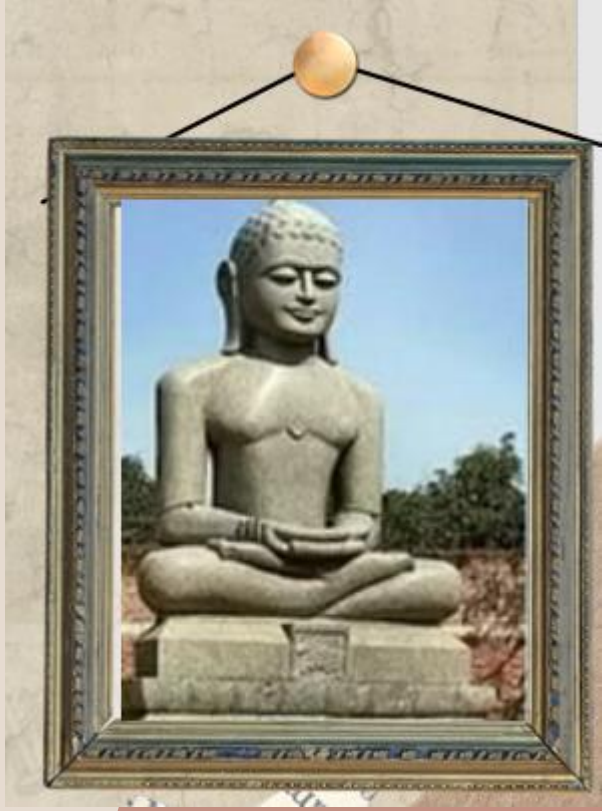

जैन वास्तुकला

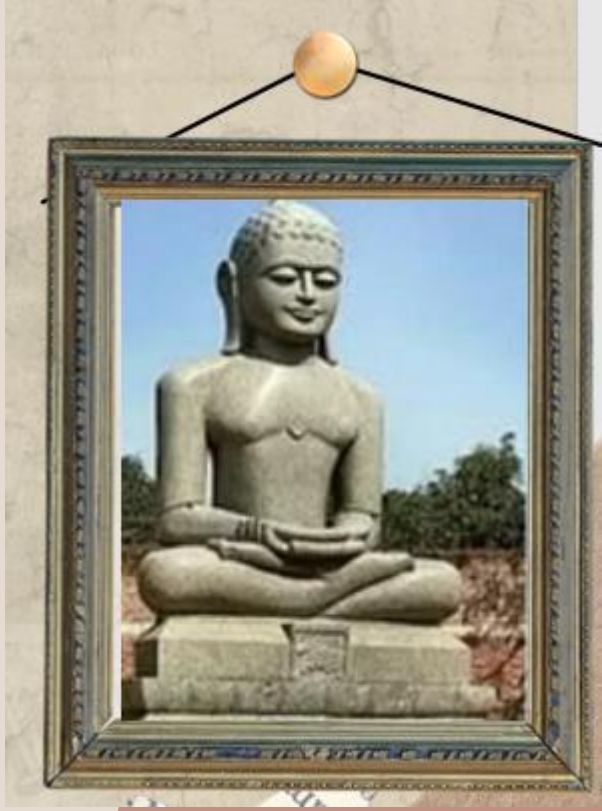

मूर्तियाँ

1) गोमेतेश्वर/बाहुबली प्रतिमा- श्रवणबेलगोला, कर्नाटक

2) अहिंसा की मूर्ति (ऋषभनाथ) - मांगी-तुंगी पहाड़ियाँ, महाराष्ट्र

जियानलय (मंदिर)

1) दिलवाड़ा मंदिर- माउंट आबू, राजस्थान
2) गिरनार और पलिताना मंदिर- गुजरात
3) मुक्तागिरि मंदिर- महाराष्ट्र
4) बसदी: कर्नाटक में जैन मठों की स्थापना या मंदिर।

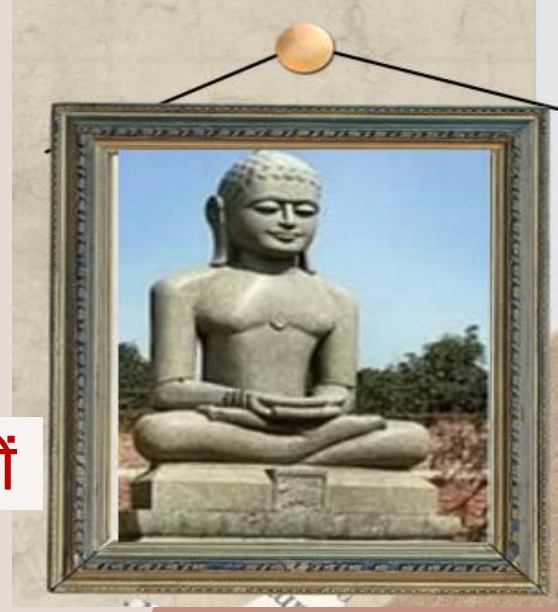

- महावीर ने पार्श्वनाथ के चार महाव्रतों (अहिंसा, सत्य, अस्तंय एवे अपरिग्रह) में एक पांचवां महाव्रत जोड़ा , वह था– ब्रह्मचर्य।
- जैन धर्म आत्मा, पुनर्जन्म एवं कर्मवाद में विश्वास करता हैं एवं ईश्वर को नहीं मानता।
- कर्नाटक के श्रवणबेलगोला में गंग वंश का मंत्री चामुण्डराज ने विशाल बाहुबलि की मूर्ति (गोमतश्वर की मूर्ति) का निर्माण करवाया। गोमतेश्वर की मूर्ति का प्रत्येक 12वें वर्ष महामस्तकाभिषेक होता है।
- खजुराहो में पार्श्वनाथ एवं आदिनाथ का मंदिर चंदेल शासको ने बनवाया।
- जैन धर्म के अनूसार सजीव और निर्जीव सभी में आत्मा का वास है। आत्मा अनंत एवं सर्वव्यापी है।

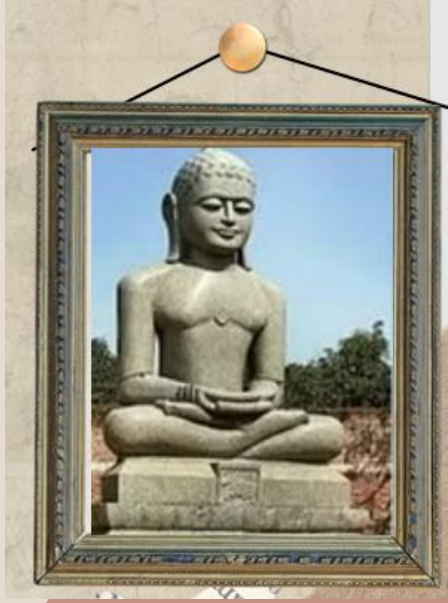

1.जैन धर्म में जैन शब्द का क्या अर्थ है?
जैन शब्द जिन से बना है जिसका अर्थ होता है "इंद्रियों का स्वामी“

2. जैन धर्म के संस्थापक कौन थे?
ऋषभदेव

3. जैन धर्म का वास्तविक संस्थापक किसे माना जाता है?
महावीर स्वामी को

4. जैन धर्म में गुरुओं को क्या कहा जाता है?
तीर्थंकर

5. जैन धर्म में कितने तीर्थंकर हुए हैं?
24

6. जैन धर्म के 24 वें व अंतिम तीर्थंकर कौन थे?
महावीर स्वामी

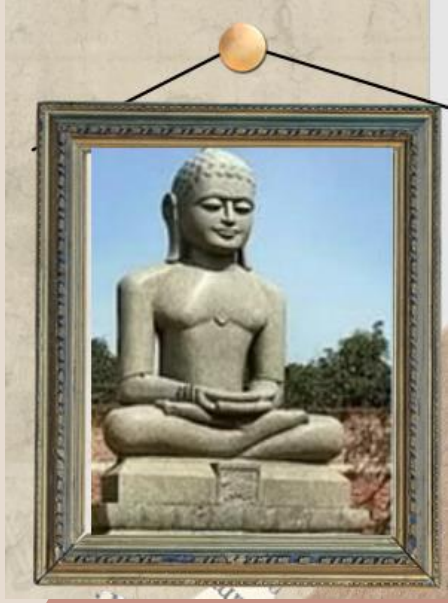

7. जैन धर्म के संस्थापक ऋषभदेव को अन्य किस नाम से जाना जाता है?
आदिनाथ के नाम से

8. जैन धर्म से सबंधित ग्रन्थ किस भाषा में लिखे गए हैं?
प्राकृत भाषा में

9. जैन धर्म की मुख्य पुस्तकें कौन सी हैं?
परिशिष्टपर्वन, आदिपुराण तथा भद्रबाहुचरित्र

10. जैन धर्म के त्रिरत्न कौन कौन से हैं?
सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान, सम्यक आचरण

11. अनेकांतवाद का सिद्धांत किस धर्म से सबंधित है?
जैन धर्म से

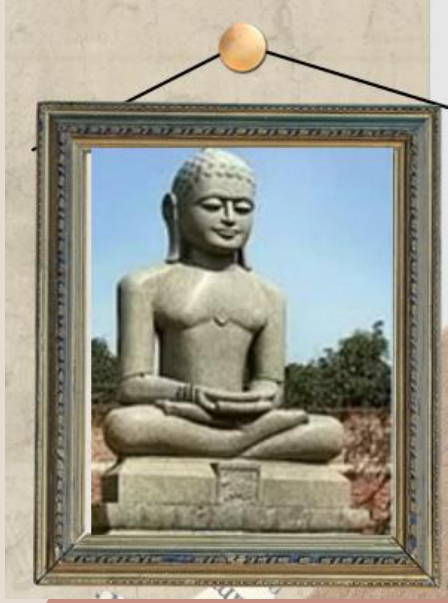

12. जैन धर्म का आधार क्या है?
अहिंसा
13. हिन्दू धर्म का आधार क्या है?
कर्म
14. जैन धर्म का पांचवा व्रत कौन सा है?
ब्रह्मचर्य
15. जैन धर्म में शिष्य को क्या कहा जाता है?
गंधर्व
16. 24 वें व अंतिम तीर्थंकर महावीर स्वामी के कितने शिष्य थे?
11 शिष्य
17. शिष्यों के समूह को क्या कहा जाता है?
गणधर
18. महावीर स्वामी के बाद उनके गणधर का अध्यक्ष कौन बना?
सुधर्मन
19. महावीर स्वामी की मृत्यु के बाद जैन धर्म कितने भागों में बंट गया था?
दो भागों में (दिगम्बर तथा श्वेताम्बर)

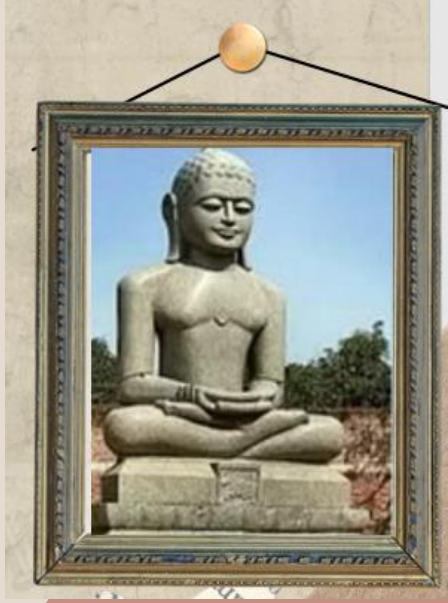

20. जैन धर्म में संथारा क्या है?
खाना पीना बंद कर प्राण त्यागने की क्रिया

21. श्वेताम्बर अपना गुरु किसे मानते हैं?
स्थूलभद्र को

22. दिगम्बर अपना गुरु किसे मानते हैं?
भद्रबाहु को

23. जैन धर्म के साहित्य को किस नाम से जाना जाता है?
आगम (या पूर्व) के नाम से

23. जैन तीर्थंकरों की जीवनी किस ग्रन्थ में पाई जाती है?
कल्पसूत्र में

24. कल्पसूत्र किसके द्वारा रचित है?
भद्रबाहु द्वारा

25. अंतिम तीर्थंकर महावीर स्वामी को कितने वर्ष को आयु में निर्वाण प्राप्ति हुई?
72 वर्ष की आयु में (468 ईसा पूर्व बिहार के पावापुरी में)